मार्गशीर्ष शुक्ल द्वितीया, युगाब्द 5122, वि.2077,16 दिसम्बर, 2020

सहयोग राशि ₹ 5

पाक्षिक

पाथेय कण

नेपाल को फिर से हिन्दू राष्ट्र घोषित कराने हेतु प्रचण्ड आंदोलन

भीतर पढ़ें

उ.प्र. का अध्यादेश 6
(लव जिहाद पर प्रतिबंध)

7 जम्मू में सरकारी जमीन की लूट

लव जिहाद पीड़िताओं के भी हैं मानवाधिकार 11

सर्दी जुकाम से कैसे बचें - 10

पाथेय कण सेवा विशेषांक के विभिन्न स्थानों पर हुए विमोचन संबंधी प्राप्त समाचार -

बाएं से क्रमशः चित्तौड़ प्रांत कार्यवाह श्री शंकर लाल, महानगर संघचालक श्री चांदमल, विभाग प्रचार प्रमुख श्री शिवकुमार, विभाग कार्यवाह श्री बनवारी लाल एवं नगर संघचालक श्री सुरेश द्वारा

जोधपुर के सह प्रांत प्रचारक श्री राजेश, विभाग संघचालक डॉ. दाऊलाल, जिला संघचालक श्री त्रिलोक चंद व सह प्रांत कार्यवाह श्री अमृतलाल द्वारा

रानीबाजार स्थित संघ कार्यालय में अ.भा.प्रचारक प्रमुख श्री सुरेश चंद्र (मध्य में), विभाग संघचालक श्री टेकचंद तथा विभाग कार्यवाह श्री गोमाराम की उपस्थिति में

केशव सेवा संस्थान में जोधपुर प्रांत प्रचारक श्री योगेन्द्र, विभाग संघचालक श्री चिमनलाल एवं श्री गौरी शंकर गुप्ता की उपस्थिति में

मातृमंदिर कार्यालय में अजयमेरु महानगर संघचालक श्री सुनील दत्त तथा विभाग ग्राम विकास गतिविधि प्रमुख श्री कालूराम द्वारा

विभाग प्रचारक श्री प्रशांत कुमार, खण्ड संघचालक श्री रामधन विश्नोई तथा जिला प्रचारक श्री अशोक द्वारा

सह प्रांत प्रचारक श्री राजेश कुमार, सह जिला संघचालक श्री मनोहर लाल, जिला प्रचारक श्री मंगलाराम, नगर संघचालक श्री सुरेन्द्र मेहता एवं पाली व जालोर विभाग के धर्म जागरण प्रमुख श्री गोविंद दान की उपस्थिति में।

प्रतिक्रिया-सुझाव भेजें

पाथेय कण में प्रकाशित किसी समाचार/ लेख या अन्य सामग्री की विषयवस्तु पर आप की प्रतिक्रिया/राय /टिप्पणी/सुझाव का स्वागत है।

मेल करें :

patheykan@gmail.com

पाक्षिक
पाथेय कण

।।ॐ संभूत्या अमृतमश्नुते।।
संगठन से ही अमरत्व की प्राप्ति होती है।।

मातृभूमि की धर्मध्वजा का अभिनंदन वंदन।
राष्ट्र देवता के चरणों में पावन शब्द नमन।।

मार्गशीर्ष शुक्ल द्वितीया
युगाब्द 5122, **वि.**2077

16 दिसम्बर,2020
वर्ष 36 : अंक 14

सम्पादक
रामस्वरूप अग्रवाल

सह सम्पादक
मनोज गर्ग

प्रबंध सम्पादक
माणकचन्द

सह प्रबंध सम्पादक
ओमप्रकाश

अक्षर संयोजन
कौशल रावत

सहयोग राशि
वार्षिक ₹ 100/-
पन्द्रह वर्ष ₹1500/-

प्रबंधकीय कार्यालय
'पाथेय भवन' 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302017 (राज.)
मो. 9929722111

अंक नहीं मिलने की सूचना अपने नाम व पते सहित व्हाट्स एप (Whatsapp) द्वारा इस मो.न. पर दें। 7976582011

E-mail : patheykan@gmail.com
Website : www.patheykan.in
Twitter : @patheykan1

सम्पादकीय

देश को अपने 'स्व' की पहचान कराने के लिए धन्यवाद

बहुत से हिन्दुओं के लिए भी अनजान सा पर्व 'देव दीपावली' (कार्तिक पूर्णिमा) इस बार 30 नवम्बर, 2020 को वाराणसी-काशी में भव्य रूप से मनाया गया।

देश के प्रधानमंत्री का इस अवसर पर वाराणसी जाने तथा बाबा विश्वनाथ की विधि पूर्वक पूजा-अर्चना करने के बड़े निहितार्थ हैं। अब तक देश ने 14 प्रधानमंत्रियों का कार्यकाल देखा है। अकेले नरेन्द्र मोदी ही ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके कार्यकाल में देश को 'स्व' की अनुभूति होती रही है। ऐसा ही एक अवसर था देव दीपावली।

वह क्षण धन्य हो गया जब प्रधानमंत्री ने बाबा विश्वनाथ की पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री के संबोधन से पूर्व शंख नाद सुनना एक अनिर्वचनीय आनंद का अनुभव था। उन्होंने अपने उद्बोधन का आरंभ और अंत 'हर-हर महादेव' और 'जय मां गंगे' के उद्घोष से किया। 'हर-हर महादेव' का उद्घोष इस देश का जयघोष है। जब भी अतीत में देश की सेना आक्रमणकारियों से लड़ी है- यही उद्घोष उनमें ऊर्जा और जोश का संचार करता था- माँ भारती पर न्योछावर हो जाने की प्रेरणा देता था, और गंगा! गंगा तो देश की प्राण धारा (लाइफ लाइन) ही है।

ये उद्घोष, ये पूजा-अर्चना इस देश की विरासत है, भारत की पहचान है। शंख ध्वनि, नारियल फोड़ना, दीप प्रज्वलन इस देश की परम्परा है। इसमें साम्प्रदायिकता की बू दूर-दूर तक नहीं है।

देश कहाँ जा रहा था अब तक! देश का विकास आवश्यक है। लोक कल्याणकारी योजनाएं बननी ही चाहिये। परन्तु 'स्व' की अनुभूति के बिना सब व्यर्थ है। 'स्व' की अनुभूति के बिना 'स्व-तंत्रता' शून्य है। मोदी जी के कार्यकाल की भौतिक उपलब्धियाँ और उनकी दिशा पर वाद-विवाद हो सकता है परन्तु, पहली बार देश 'स्व' की अनुभूति कर रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने जो कहा, वह भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देव मूर्तियाँ आस्था की प्रतीक तथा विरासत का हिस्सा हैं। विरासत का तात्पर्य है- देश की धरोहर, हमारी संस्कृति, हमारे जीवन मूल्य। काशी आत्मज्ञान से प्रकाशित हो रही है, इसलिये पूरे विश्व को प्रकाशित करने वाली है। हर युग में काशी के इस प्रकाश से किसी न किसी महापुरुष की तपस्या जुड़ जाती है और काशी दुनिया को रास्ता दिखाती रहती है।

उन्होंने इस अवसर पर भगवान बुद्ध, गुरु नानकदेव, आदि-शंकराचार्य तथा अहिल्याबाई होल्कर का स्मरण भी किया।

धन्यवाद नरेन्द्र मोदी जी! इस देश को अपनी ही पहचान से परिचित कराने के लिए। ■

ज्ञान गंगा

अकृत्वा परसन्तापमगत्वा खलनम्रताम्।
अनुत्सृज्य सतां मार्गं, यत्स्वल्पमपि तद् बहु।।

दूसरों को कष्ट न पहुँचा कर और दुष्टों के सम्मुख बिना गिड़गिड़ाये यदि सज्जनों के मार्ग पर हम चल सकें, तो जीवन में इतना किया कार्य भी बहुत लाभप्रद होगा।

(वल्लभ. सुभा./2660)

नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित कराने के लिए प्रचण्ड आंदोलन

नेपाल को फिर से हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से देशव्यापी प्रदर्शन हो रहे हैं। हजारों की संख्या में लोग नेपाल के सभी प्रमुख शहरों की सड़कों पर उतर कर जुलूस निकाल रहे हैं, राजशाही समय का राष्ट्रगीत गा रहे हैं और माँग कर रहे हैं कि नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाये।

5 दिसम्बर, 2020 को नेपाल का राष्ट्रध्वज लेकर नारेबाजी करते हजारों लोग नेपाल की राजधानी काठमांडू में सड़कों पर उतरे।

राजशाही की पुनर्स्थापना

बता दें कि 2006 से पहले नेपाल में राजतंत्र था। राजशाही के खिलाफ नेपाल की जनता ने आन्दोलन किया था। परन्तु राजशाही के खात्मे के बाद स्थापित प्रजातंत्र में बनी कम्युनिस्ट सरकार के भ्रष्टाचार एवं कुशासन से जनता इतनी त्रस्त हो गयी कि अब पुनः सड़क पर उतर कर देश को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग के साथ ही प्रजातंत्र के खात्मे और राजशाही की पुनर्स्थापना के लिये भी आन्दोलन कर रही है।

राजशाही की समाप्ति के बाद जब नेपाली कांग्रेस की सरकार बनी तो कम्युनिस्ट पार्टी के समर्थन से अन्तरिम संविधान में नेपाल के हिन्दू राष्ट्र दर्जे को समाप्त कर उसे धर्मनिरपेक्ष देश घोषित कर दिया गया।

पुराना राष्ट्रगान गाने पर गिरफ्तारी

ढाई वर्ष पहले नेपाल के दो युवक बुटवाल शहर में राजशाही के समय का राष्ट्रगान गा रहे थे तो पुलिस ने उन पर 'अभद्रता के प्रदर्शन' का आरोप लगाकर गिरफ्तार कर लिया था।

इन दोनों युवकों की गिरफ्तारी के पश्चात् सम्पूर्ण नेपाल में युवकों ने पुराने राष्ट्रगान को गाने का अभियान छेड़ दिया। ये नौजवान फिर से राजतंत्र को स्थापित करने तथा नेपाल को पुनः हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग कर रहे हैं।

ये नौजवान राजा ज्ञानेन्द्र और महारानी कोमल की तस्वीर वाली टी शर्ट भी लोगों को बांट रहे हैं।

समर्थक समूह

नौजवानों के इस ग्रुप का नाम है– 'वीर गोरखाली अभियान'। राष्ट्रीय प्रजातांत्रिक पार्टी इस अभियान का साथ दे रही है। आन्दोलन को देश के कई समूहों का समर्थन मिल रहा है। कई गैर मान्यता प्राप्त पार्टियाँ आन्दोलन में बढ़–चढ़ कर भाग ले रही हैं।

कोरोना का खतरा होने के बावजूद हजारों लोग प्रतिदिन सड़क पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं। पूर्व सैनिक और पुलिस के जवान राजा के पक्ष में बोल रहे हैं। आरआरपी के अलावा पूर्व मंत्री केशर बहादुर बिष्ट के नेतृत्व वाली 'राष्ट्रीय शक्ति नेपाल' भी आन्दोलनरत है। फिलहाल इस आन्दोलन का कोई देशव्यापी केन्द्रीय संगठन या मंच नहीं है। 'शिव सेना नेपाल' तथा श्रीश शमशेर राणा का युवा संगठन आन्दोलन को समर्थन दे रहा है।

इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व राष्ट्रवादी

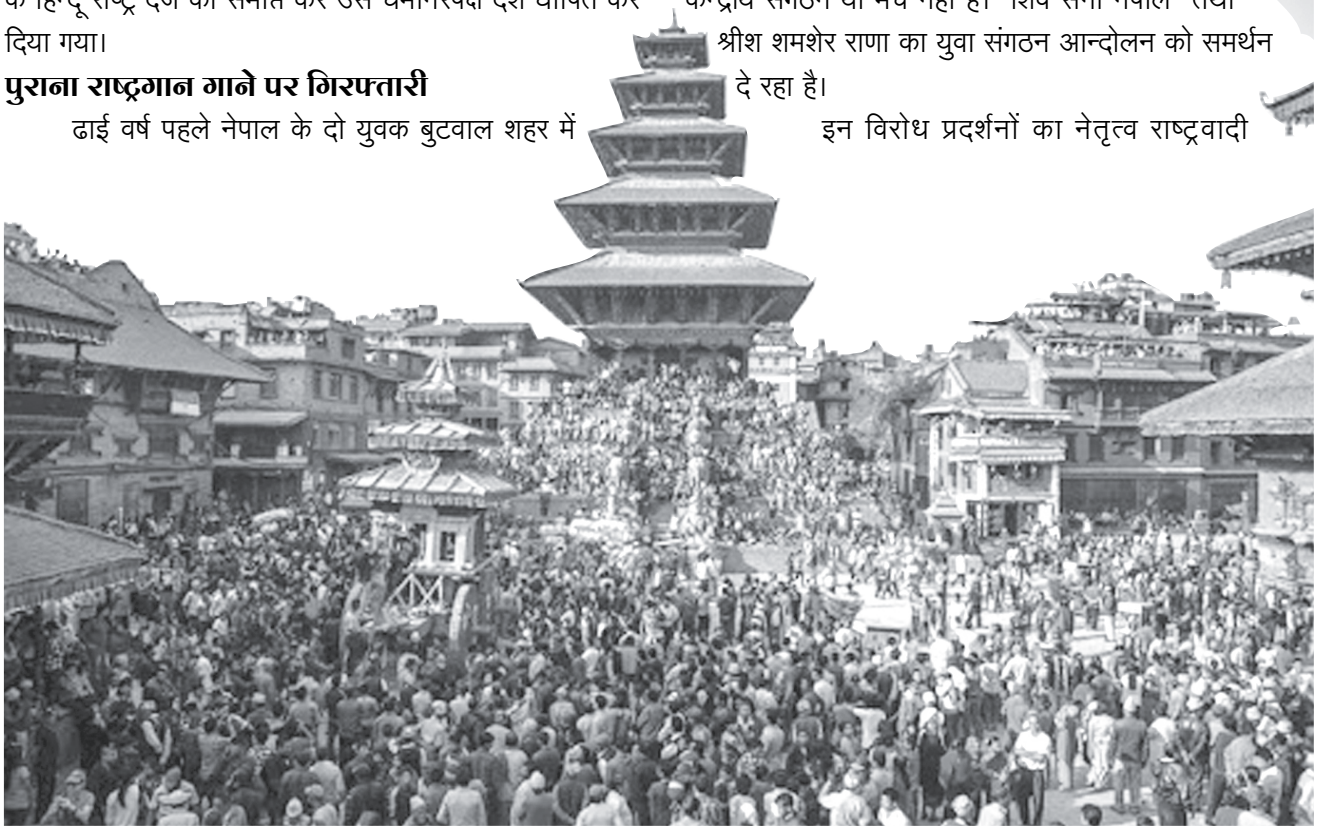

नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाने के विरोधी कौन?

ईसाई संगठन खुलकर इस आन्दोलन के विरोध में आ गये हैं। फादर पायस पेरूमना कहते हैं, 'लोकतंत्र के विकास और सभी लोगों के मानवाधिकार सुनिश्चित करने के लिए हमें धर्म निरपेक्षता की जरूरत है। हर नेपाली के पास अपना धर्म मानने की आजादी होनी चाहिये।' गजब का तर्क देते हैं ये ईसाई मिशनरी।

ईसाई मिशनरियों की नीति हिन्दू समाज को विखण्डित करने की रहती है। वे तरह-तरह के भेद उजागर करने में लगे रहते हैं। नेपाल के एक ईसाई नेता सीबी गहत्राज कहते हैं, ''नेपाल की 35% आबादी वाले जनजाति समाज एवं बौद्ध धर्म को मानने वाले भी हिन्दू राष्ट्र के विरोध में हैं। '' यानि ईसाई नेता जनजाति व बौद्ध लोगों के स्वयंभू प्रवक्ता की भूमिका में भी आ गये हैं।

दिसम्बर 2019 में काठमांडू स्थित ब्रिटेन के उच्चायुक्त एंडी स्पार्क्स ने एक अखबार को लिखे खुले पत्र में कहा कि नेपाल में धर्म परिवर्तन के अधिकार की रक्षा की जाए।

नेपाल में मतांतरण विरोधी कड़ा कानून था, जिसमें 1990 के बाद ढ़ील दी गई। परिणामस्वरूप ईसाई मिशनरियों ने वहाँ तेजी से मतांतरण कर हिन्दुओं को ईसाई बनाना शुरू कर दिया।

1971 की जनगणना के अनुसार नेपाल में एक भी ईसाई नहीं था। 2011 में उनकी जनसंख्या आबादी के 1.45 प्रतिशत तक पहुँच गई।

नेपाल के 'सेंटर फॉर इकॉनॉमिक एंड टेक्निकल स्टडीज' के प्रोफेसर हरिवंश झा बताते हैं कि नेपाल के चितवन जिले में तीन दशक पहले तक एक भी चर्च नहीं था, लेकिन अब वहां लगभग 400 चर्च हैं।

कम्युनिस्ट पार्टी एवं माओवादी तो प्रारम्भ से ही हिन्दू राष्ट्र के विरोधी रहे हैं।

नागरिक समाज, नेपाल विद्वत् परिषद, स्वतंत्र देशभक्त नेपाली नागरिक, पश्चिमांचलवासी नेपाल जनता, नेपाल राष्ट्रवादी समूह आदि कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों की मांग है कि बिना किसी राजनीतिक दल के सभी स्थानों पर नागरिक समाज बनाकर शासन चलाया जावे।

कम्यूनिस्टों की चाल

नेपाल में जब राजशाही के खिलाफ आन्दोलन हुआ तो वहाँ की कम्युनिस्ट पार्टी और तत्कालीन माओवादी पार्टी ने देश से राजतंत्र के साथ-साथ हिन्दू राष्ट्र की पहचान को भी खत्म कर दिया था, जबकि जन आन्दोलन सिर्फ राजशाही को समाप्त करने के लिये था।

इन विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ सरकार ने कार्रवाई की चेतावनी दी है। लेकिन सरकार की चेतावनी के बावजूद कई हिस्सों में बाइक रैली आदि जारी है।

वर्ल्ड हिन्दू फेडरेशन की इंटरनेशनल कमेटी की महासचिव अस्मिता भंडारी कहती हैं, ''हम हिन्दू साम्राज्य में विश्वास करते हैं। इसलिए हम इस आन्दोलन का समर्थन व सहयोग कर रहे हैं।''

पत्रकार युवराज गौतम का कहना है कि राजनीतिक दल देश को बर्बाद कर रहे हैं। जो लोग एक मजबूत राष्ट्रवाद के पक्ष में हैं वे एक मजबूत विकल्प की तलाश कर रहे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि, कोरोना के कारण ही सही परन्तु, पशुपतिनाथ मंदिर को बंद करने से हिन्दुओं में काफी नाराजगी है।

भारत में भाजपा की सरकार और नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से नेपाल के राष्ट्रवादी दल उत्साहित हैं। ■

नेपाली मुसलमान भी हिन्दू राष्ट्र के पक्ष में

नेपाल को हिन्दू राष्ट्र का दर्जा दिये जाने की मांग का एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि वहाँ के कई मुस्लिम संगठन नेपाल को पुनः हिन्दू राष्ट्र बनाने की माँग का समर्थन कर रहे हैं।

यूएमएल पार्टी की टिकट पर संविधान सभा की सदस्य चुनी गई अनारकली मियां का मानना है कि 'मिशनरी दूसरे धर्म के लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। नेपाल को धर्म निरपेक्षता की नीति स्वीकार नहीं करनी चाहिए। मुस्लिम मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष उद्बुद्दीन फ्रू कहते हैं कि देश को धर्मनिरपेक्ष घोषित करने की माँग देश में हिन्दू-मुस्लिम एकता को तोड़ने की साजिश है। यहाँ लोग धार्मिक सहिष्णुता से रह सकें इसके लिए नेपाल की पुरानी हिन्दू पहचान पुनः लागू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने जारी कराया अध्यादेश

लव जिहाद अब दण्डनीय अपराध

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करनी होगी कि उन्होंने राज्य में लव जिहाद के विरुद्ध कठोर कानून बनाकर लागू भी कर दिया। इसके लिए उन्होंने विधान सभा के सत्र का इन्तजार नहीं किया, वरन् राज्यपाल के हस्ताक्षर से अध्यादेश जारी करवा दिया।

'उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश 2020' के प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार है–

अपराध घोषित

1. विवाह द्वारा किसी अन्य व्यक्ति का धर्म परिवर्तन करना या करने का प्रयास करना या ऐसे धर्म परिवर्तन के लिए किसी को प्रेरित करना, उकसाना, सहमत करना या षड्यंत्र करना अपराध होगा। (धारा 3)

2. अन्यथा भी, किसी अन्य व्यक्ति का धर्म परिवर्तन अनुचित प्रभाव, बलपूर्वक, दबाव, लालच या अन्य छलयुक्त माध्यम से करना या करने का प्रयास करना या ऐसे धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करना, उकसाना, सहमत करना या षड्यंत्र करना अपराध होगा। (धारा 3)

यह अपराध संज्ञेय तथा अजमानतीय होगा। अर्थात् अपराधी को पुलिस बिना वारन्ट गिरफ्तार कर सकेगी तथा जमानत थाने के स्तर पर नहीं दी जायेगी। जमानत देने का अधिकार न्यायालय को ही होगा।

दण्ड कितना ?

उपरोक्त वर्णित किसी भी अपराध के लिए एक से तीन वर्ष तक का कारावास तथा कम से कम 15 हजार रुपये का जुर्माना।

यदि मतांतरित महिला अवयस्क है या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से है तो कारावास की सजा 3 वर्ष से 10 वर्ष तक तथा जुर्माना 25,000 रुपये होगा।

शिकायत (FIR) कौन कर सकता है

जिसका मतांतरण किया गया है, उसका कोई भी रिश्तेदार (जो उससे रक्त या विवाह के माध्यम से रिश्तेदार है) थाने में एफआईआर दर्ज करा सकता है।

अपराध सिद्ध करने का भार

आरोपी का दायित्व होगा कि वह लगाये गये आरोपों के संबंध में अपने को निर्दोष (बेकसूर) सिद्ध करे।

स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन

यदि कोई व्यक्ति दूसरे धर्म में स्वेच्छा से मतांतरित होना चाहता है तो उसे 60 दिन पूर्व इसकी सूचना जिला मजिस्ट्रेट को देनी होगी। तब मजिस्ट्रेट जांच करेगा कि उक्त मतांतरण स्वेच्छा से हो रहा है या उसके पीछे धोखाधड़ी अथवा ब्लैक मेल तो नहीं है।

यदि उपरोक्त नियम की पालना नहीं होती है तो 6 माह से 3 वर्ष तक का कारावास तथा रु.10 हजार जुर्माने की सजा भुगतनी होगी।

क्या विवाह मान्य रहेगा?

धारा 6 के अनुसार किसी एक धर्म का पुरुष दूसरे धर्म की महिला से (या इसके उलट) अवैध मतांतरण के उद्देश्य से विवाह करता है तथा या तो उसे या स्वयं को शादी के पूर्व या बाद में मतांतरित करे तो ऐसा विवाह न्यायालय द्वारा शून्य और अवैध घोषित कर दिया जायेगा।

इस हेतु विवाह के किसी भी पक्षकार (पति या पत्नी) द्वारा न्यायालय में याचिका प्रस्तुत करनी होगी।

सामूहिक मतांतरण

सामूहिक मतांतरण के मामले में 3 वर्ष से 10 वर्ष तक का कारावास तथा रु. 50 हजार का जुर्माना संबंधित मतांतरण कराने वाले व्यक्तियों पर किया जावेगा तथा संगठन का पंजीयन रद्द कर दिया जावेगा।

पूर्व धर्म में वापसी की छूट

यदि कोई व्यक्ति अपने तत्काल पूर्व धर्म में पुनः मतांतरित होता है तो उसे इस अध्यादेश के अन्तर्गत मतांतरण नहीं माना जायेगा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस का खेल

जम्मू में सरकारी जमीन की संगठित लूट और इस्लामीकरण के प्रयास

इस घोटाले को जम्मू संभाग के इस्लामीकरण की जेहादी साजिश और 'भूमि जेहाद' भी कहा जा रहा है। जैसे-जैसे यह जांच रफ्तार पकड़ रही है, नए-नए राज फाश हो रहे हैं और जम्मू-कश्मीर को निजी जागीर समझ अदल-बदलकर शासन करने वाले 'राजवंशों' की व्याकुलता, बदहवासी और बौखलाहट बढ़ती जा रही है।

जम्मू संभाग में बड़े पैमाने पर मुसलमानों को बसा कर धार्मिक आबादीय संतुलन को बिगाड़ने तथा अपने चहेतों को मामूली धनराशि के बदले सरकारी जमीनें देकर सरकारी खजाने को 25 हजार करोड़ से ज्यादा का चूना लगाने का षड़यंत्र पिछले दिनों उजागर हुआ।

जम्मू संभाग में वन भूमि, नदी भूमि व अन्य सरकारी भूमि पर एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा अवैध कब्जे करने-कराने का यह खेल पिछले 30-35 वर्षों से चल रहा है। अब तक कोई 20 लाख कनाल (8 कनाल = 1 एकड़) भूमि पर ऐसा अवैध कब्जा हो चुका है।

रोशनी एक्ट

2001 में तत्कालीन फारुख अब्दुल्ला सरकार एक योजना लेकर आयी थी। यह कि, जमीन के अवैध कब्जाधारियों से कुछ धनराशि लेकर इन अवैध कब्जों को विधि सम्मत घोषित कर दिया जावे। प्राप्त राशि (तब के अनुमान के अनुसार 25 हजार करोड़) से पावर-प्रोजेक्ट खड़े कर पूरे 'जम्मू-कश्मीर' को रोशनी से जगमग कर दिया जावे। इसलिए इस हेतु बनाये गये कानून को 'रोशनी एक्ट ' कहा गया।

बंदरबांट

रोशनी एक्ट में 1990 तक हुए अवैध कब्जों के नियमितीकरण का प्रावधान था। मुफ्ती मोहम्मद सईद मुख्यमंत्री बने तो अपने चहेतों को भी इस बंदरबांट में शामिल करने के लिए कब्जे का वर्ष 2004 तक कर दिया गया। गुलाम नबी आजाद

अतिक्रमणकारियों के सामने आये नामों में फारूख अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, उनकी बुआ सुरैया अब्दुल्ला मट्टू और खालिदा अब्दुल्ला शाह, गुलाम मोहम्मद शाह के बेटे, भांजे व कई कांग्रेसी नेताओं के नाम भी बताये जा रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय इसी एक्ट की आड़ में हथियाई गई जमीन पर बने हुए हैं।

के मुख्यमंत्री बनने पर यह अवधि 2007 तक बढ़ा दी गई। स्पष्ट ही था कि अपने लोगों से सरकारी जमीन पर कब्जा कराकर मामूली धनराशि के बदले उसे वैध कर देने का षड़यंत्र लगातार नेशनल कांफ्रेस, पीडीपी और कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों ने जारी रखा।

तमाम नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने इस एक्ट की आड़ में बड़े पैमाने पर सरकारी भूमि को हड़प लिया था।

कब्जाधारियों में मुसलमान

सरकारी जमीन के अवैध कब्जाधारियों में अधिकांश मुस्लिम समाज के लोग थे जबकि जम्मू संभाग हिन्दू बहुल है तो ये मुसलमान कहाँ से और कैसे आ गये?

जम्मू के डिप्टी कमिश्नर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार तवी नदी के कछार में अतिक्रमण करने वाले 668 में से 667 मुसलमान थे। यही स्थिति जम्मू के समीप वन भूमि पर बसायी गयी भटिंडी नाम वाली कॉलोनी का है, जिसे वहां के लोग 'मिनी पाकिस्तान' तक कहते हैं। इस एक्ट की आड़ में कश्मीरी पंडितों के खाली पड़े बहुत से मकानों और दुकानों को भी हड़प लिया गया । हजारों की संख्या में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिये इसके लाभार्थियों में शामिल बताये गये हैं।

जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.रसाल सिंह के अनुसार एक धर्म विशेष के लोगों को लाभ पहुँचाकर जम्मू संभाग में उनके वोट बढ़वाना लोकतंत्र के अपहरण और अपनी सत्ता के

स्थायीकरण की बड़ी सुनियोजित और संगठित कोशिश थी।

उच्च न्यायालय में याचिका

प्रोफेसर एस.के.भल्ला ने इस मामले को एक जनहित याचिका के माध्यम से जम्मू–कश्मीर उच्च न्यायालय में पेश किया। जम्मू–कश्मीर के प्रमुख लेखाकर (सीएजी) ने इस एक्ट के तहत 25 हजार करोड़ से ज्यादा के घोटाले और सरकारी घाटे की रिपोर्ट दी है। यह घाटे का अनुमान 2006 का है। आज के अनुमान से यह राशि कई गुणा होगी।

जम्मू के अंकुर शर्मा ने इस घोटाले का पर्दाफाश करने में सक्रिय भूमिका निभाई। माननीय उच्च न्यायालय ने 9 अक्तूबर, 2020 को रोशनी एक्ट असंवैधानिक घोषित करते हुए रद्द कर दिया। माननीय मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल तथा न्यायाधीश राजेश बिंदल ने देश के इस सबसे बड़े भूमि घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी है।

प्रमुख कब्जाधारी

सीबीआई जांच के दौरान सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों में कई बड़े नेताओं, अफसरों और व्यापारियों के नाम आये हैं। इनमें प्रमुख हैं– पूर्व वित्तमंत्री हसीब द्राबू, पूर्व गृहमंत्री सज्जाद किचलू, पूर्वमंत्री अब्दुल मजीद वानी और असलम गोनी, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता सईद आखून, पूर्व बैंक चेयरमेन एम.वाई. खान आदि। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय इसी एक्ट की आड़ में हथियाई गई जमीन पर बने हुए हैं।

गुलाम नबी आजाद और कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गुलाम रसूलकार जिस खिदमत ट्रस्ट के न्यासी रहे हैं, वह भी बड़े अवैध कब्जाधारियों में है। अतिक्रमणकारियों के सामने आये नामों में फारूख अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, उनकी बुआ सुरैया अब्दुल्ला मट्टू और खालिदा अब्दुल्ला शाह, गुलाम मोहम्मद शाह के बेटे, भांजे व कई कांग्रेसी नेताओं के नाम भी बताये जा रहे हैं।

अवैध कब्जे की जमीन को वापस लेने के लिए सरकार ने मुख्य सचिव के नेतृत्व में कमेटियां बना दी हैं। राज्य सरकार ने बांटी गई जमीनों का नामांतरण रद्द कर छह महीने में जमीनें वापस लेने का फैसला किया है। बता दें कि रोशनी एक्ट की आड़ में 20.55 लाख कनाल सरकारी जमीन मामूली से दामों में बांट दी गई थी।

इस घोटाले को जम्मू संभाग के इस्लामीकरण की जेहादी साजिश और 'भूमि जेहाद' भी कहा जा रहा है। जैसे–जैसे यह जांच रफ्तार पकड़ रही है, नए–नए राज फाश हो रहे हैं और जम्मू–कश्मीर को निजी जागीर समझ अदल–बदलकर शासन करने वाले 'राजवंशों' की व्याकुलता, बदहवासी और बौखलाहट बढ़ती जा रही है। ■

हिन्दुस्तान में रहकर 'हिन्दुस्तान' शब्द से परहेज

घटना थोड़ी पुरानी जरूर है, परन्तु देश में सर्वदूर इसकी चर्चा होनी आवश्यक है। बात एक माह पुरानी है– बिहार की विधानसभा में नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथग्रहण समारोह चल रहा था। प्रोटेम स्पीकर जीतनराम मांझी शपथ दिला रहे थे। सदस्य एक–एक कर शपथ ले रहे थे। एआइएमआइएम (AIMIM) के विधायक अख्तरुल इमान का नाम जैसे ही शपथ के लिए पुकारा गया वैसे ही उन्होंने खड़े होकर कहा कि शपथ में 'हिन्दुस्तान' शब्द है– मुझे इस पर आपत्ति है, मैं हिन्दुस्तान के बजाय 'भारत' बोलना चाहता हूँ। वे उर्दू में शपथ ले रहे थे। उर्दू में इस देश को 'हिन्दुस्तान' ही कहते हैं। प्रोटेम स्पीकर ने उनकी बात अवश्य मान ली, अवश्य खड़ा कर दिया है।

एआइएमआइएम के विधायक **अख्तरुल इमान** जिन्होंने 'हिन्दुस्तान' शब्द बोलने से मना कर दिया

भारत, हिन्दुस्तान, आर्यावर्त– यह सब इसी देश के नाम हैं। देश की आजादी को 75 वर्ष होने वाले हैं, उससे पूर्व भी आजादी के लिए हुए संघर्ष में कभी ऐसी बात नहीं उठी। कौन हैं ये लोग जो 'हिन्दुस्तान' शब्द पर आपत्ति उठा रहे हैं? इनका छिपा हुआ एजेन्डा क्या है? यह सब देश की जनता को सोचना चाहिए। इस पार्टी एआइएमआइएम का बिहार से क्या नाता है कि वहाँ से इसने 5 सीटें जीत ली। एआइएमआइएम ने बिहार के लिए कोई विकास की बात नहीं की थी। पहले कभी इस पार्टी के लोगों ने बिहार के लिए कोई संघर्ष नहीं किया। पहली बार इस पार्टी ने वहां चुनाव लड़ा और पांच सीटें जीती। किसने और क्यों इसे वोट दिया– यह समझने की आवश्यकता है। स्पष्ट है कि इस पार्टी को वोट देने वाले मुस्लिम समुदाय से ही थे और उन्होंने मुसलमान के नाते ही वोट दिया। क्या यह वही मानसिकता नहीं है जिसके कारण पाकिस्तान का निर्माण हुआ?

इस पार्टी एआइएमआइएम के नेता ओवैसी कुछ समय पूर्व जिद कर बैठे थे कि वे 'भारत माता की जय' नहीं बोलेंगे। इन लोगों के मन में देश के प्रति क्या भाव है? इन्हें वन्देमातरम् गाने से भी आपत्ति है। देश में सभी जगह इस पर बहस होनी चाहिए। क्या ऐसे लोगों का बहिष्कार नहीं किया जाना चाहिए?

तमिलनाडु के वीर बोम्मु की गाथा

मैं फिर यहीं जन्म लूँगा

17 वीं सदी के अन्त में दक्षिण भारत का अधिकांश भाग अर्काट के नवाब के अधीन था। उसने लगान वसूलने का काम ईस्ट इण्डिया कम्पनी को दे दिया। अंग्रेज छल, बल से लगान वसूलने लगे। अंग्रेजों की शक्ति देखकर अधिकांश राजा डर गये, परन्तु तमिलनाडु के पाण्ड्य नरेश कट्टबोम्मन (बोम्मु) ने झुकने से मना कर दिया। उसने अपने जीते जी धूर्त अंग्रेजों को एक पैसा नहीं दिया। कट्टबोम्मन का जन्म 3 जनवरी, 1760 को हुआ।

बोम्मु पाण्ड्य नरेश जगवीर के सेनापति थे। उनकी योग्यता एवं वीरता देखकर राजा ने अपनी मृत्यु से पूर्व उन्हें ही राजा बना दिया। **राज्य का भार संभालते ही बोम्मु ने नगर के चारों ओर सुरक्षा हेतु मजबूत परकोटे बनवाये और सेना में नयी भर्ती की। उन्होंने जनता का पालन अपनी संतान की तरह किया। इससे उनकी लोकप्रियता चारों ओर फैल गयी।**

दूसरी ओर उनके राज्य के आसपास अंग्रेजों का आधिपत्य बढ़ रहा था। कम्पनी का प्रतिनिधि मैक्सवेल वहाँ तैनात था। उसने बहुत प्रयास किया, परन्तु बोम्मु माने नहीं। छह वर्ष तक दोनों की सेनाओं में संघर्ष होता रहा। अंग्रेज सफल नहीं हुए। अब मैक्सवेल ने अपने दूत एलन को एक पत्र देकर बोम्मु के पास भेजा। उसका कहना था कि चूँकि सब राजा कर दे रहे हैं, इसलिए चाहे थोड़ा ही हो, पर वह कुछ कर अवश्य दे। लेकिन बोम्मु ने एलन को अपमानित कर

वीर बोम्मू के सम्मान में जारी डाकटिकट

दरबार से निकाल दिया।

अब अंग्रेजों ने जैक्सन नामक अधिकारी की नियुक्ति की। उसने बोम्मु को अकेले मिलने के लिए बुलाया, परन्तु वे अनेक विश्वस्त वीरों को साथ लेकर गये। वहाँ जैक्सन ने अपने साथी क्लार्क को बोम्मु को पकड़ने का आदेश दिया। बोम्मु ने इससे पहले ही क्लार्क का सिर कलम कर दिया। अब जैक्सन के बदले लूशिंगटन को भेजा गया। उसने फिर बोम्मु को बुलाया, परन्तु बोम्मु ने मना कर दिया। इस पर कम्पनी ने मेजर जॉन बैनरमैन के नेतृत्व में सेना चढ़ा दी।

बोम्मु सेना एकत्र कर मुकाबला करने लगे। शुरू में तो उन्हें सफलता मिली, परन्तु अन्ततः पीछे हटना पड़ा। वह अपने कुछ साथियों के साथ कोलारपट्टी के राजगोपाल नायक के पास पहुँचे। एक देशद्रोही एट्टप्पा ने शासन को सूचना दे दी। उन्हें फिर जंगलों की शरण लेनी पड़ी।

कुछ दिन बाद पुदुकोट्टै के राजा तौण्डेमान ने उन्हें बुला लिया। वहां धोखा हुआ और वे गिरफ्तार कर लिये गये।

16 अक्तूबर, 1799 को कायात्तरु में उन्हें फाँसी दी गयी। फाँसी के लिए जब उन्हें वहाँ लाया गया, तो उन्होंने कहा कि मैं स्वयं फन्दा गले में डालूँगा। इस पर उनके हाथ खोल दिये गये। बोम्मु ने नीचे झुककर हाथ में मातृभूमि की मिट्टी ली। उसे माथे से लगाकर बोले– हे माँ! मैं फिर यहीं जन्म लूँगा और तुम्हें गुलामी से मुक्त कराऊँगा। यह कहकर उन्होंने फाँसी का फन्दा गले में डाला और नीचे रखी मेज पर लात मार दी। ■

जन्म दिवस पर शत-शत नमन

प्रसिद्ध समाज सुधारक, शिक्षिका एवं मराठी कवियित्री
सावित्री बाई फुले
3 जनवरी

(1831-1897)

रामकृष्ण परमहंस की आध्यात्मिक सहधर्मिणी
श्री मां शारदा
पौष कृष्ण 8 (इस बार 6 जनवरी)

(1853-1920)

रामकृष्ण मिशन के संस्थापक राष्ट्रीय पुनर्जागरण के अग्रदूत
स्वामी विवेकानन्द
12 जनवरी

(1863-1902)

जैन पंथ के २३वें तीर्थंकर
भगवान पार्श्वनाथ
पौष कृष्ण 11(इस बार 9 जनवरी)

(872 ई.पू.-772 ई.पू.)

परम ज्योति में विलीन

श्री बालकृष्ण नाईक
(18-11-2020)

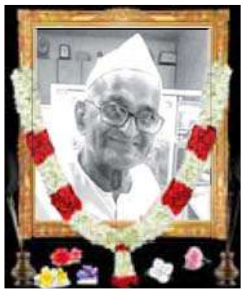

विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री, पूर्व उपाध्यक्ष तथा वर्तमान में केन्द्रीय प्रबन्ध समिति के सदस्य श्री बालकृष्ण नाईक अमेरिका के स्टॅनफोर्ड विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की उच्च शिक्षा प्राप्त कर वहीं एक बड़े पद पर कार्यरत थे। परन्तु, सब कुछ छोड़कर 1966 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बन गए।

श्री नाईक ने विश्व विभाग के प्रमुख के नाते अनेक देशों की यात्रा कर संगठन कार्य को आगे बढ़ाया। उन्होंने भारत भू पर जन्मे सभी मत-पंथ, सम्प्रदायों और मान्यताओं को मानने वाले समाजों (जैन, बौद्ध, सिख इत्यादि) के समन्वय मंच के प्रमुख के नाते 15 वर्षों तक और बाद में पालक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

श्री धर्मनारायण अवस्थी
(6-12-2020)

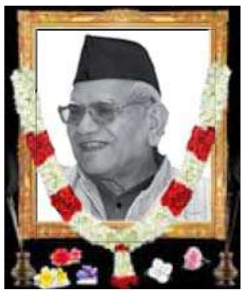

बाल्यकाल से स्वयंसेवक श्री धर्मनारायण अवस्थी ने राजस्थान में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी के पद से आठ वर्ष पूर्व ही स्वेच्छिक सेवा निवृत्ति लेकर संघ योजना से समाज सेवा हेतु भारतीय शिक्षण मण्डल के लिए अपने को पूर्ण रूप से समर्पित कर दिया।

32 वर्ष तक शिक्षण मण्डल के अ.भा.संगठन मंत्री रहने के पश्चात् वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा बाद में अ.भा.संरक्षक के दायित्व का मृत्युपर्यन्त निर्वहन किया। अनेक पुरस्कारों से सम्मानित श्री अवस्थी दो पुस्तकों के लेखक भी हैं।

श्री परमेश्वरी दत्त शर्मा
(05-12-2020)

श्री परमेश्वरीदत्त राजस्थान में 1961 से 1988 तक लगातार 27 वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे (सीकर जिला प्रचारक तत्पश्चात् भरतपुर एवं बीकानेर विभाग प्रचारक) आप हमेशा अपने साथ होम्योपैथिक दवा का बैग रखते थे। स्वयंसेवकों तथा उनके परिवार व मित्रजनों की चिकित्सा भी संघ कार्य के साथ-साथ करते थे। नियमित पूजा पाठी एवं अध्ययनशील परमेश्वर जी अपने मान्य सिद्धान्तों की पालना कठोरता से करते रहे।

पाथेय कण परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

स्वास्थ्य

सर्दी जुकाम से बचने के उपाय

- कब्ज रहने, अपर्याप्त पानी पीने तथा 6 घंटे से कम की नींद लेने से सर्दी जुकाम होने का खतरा अधिक रहता है। अतः कब्ज दूर करें, पर्याप्त पानी पीयें एवं पर्याप्त नींद लें।
- हर्बल अथवा ग्रीन टी, टमाटर, गाजर, लहसुन, शकरकंद, अनार, संतरा, पाइनेपल, मौसमी, अमरूद, पालक, अदरक, काली मिर्च, आँवला आदि का प्रयोग करें।
- सुबह-शाम एक गिलास दूध में चौथाई चम्मच हल्दी मिलाकर पीयें।
- ठण्डे पेय पदार्थ व ठण्डी चीजों से दूर रहें।
- नाक बंद होने पर गर्म पानी की भाप नाक से लेवें।
- गले में फायदे में गुनगुने पानी में नमक मिलाकर गरारे करें।
- सर्दी जुकाम होने पर हल्का गर्म पानी पीयें। गर्म दूध, मिक्स वेजीटेबल सूप लेवें। अपने हाथों से बार-बार नाक व आँख को न छुएं।

हर्बल टी बनाने का तरीका

डेढ़ से दो कप पानी में अदरक का एक छोटा टुकड़ा, 10 तुलसी के पत्ते, एक लौंग, दो-तीन काली मिर्च और दालचीनी का एक टुकड़ा डालकर, उबालकर एक कप रहने पर गर्म-गर्म पीयें।

कर्नाटक ने भी लगाया गोहत्या पर प्रतिबंध

कर्नाटक विधानसभा ने 9 दिसम्बर, 2020 को गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित कर दिया है। कांग्रेस ने कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं होने के बहाने विधेयक पारित होने में रोड़े अटकाने का प्रयास किया।

सेंट्रल पार्क, जयपुर में लव जिहाद पर रोक की मांग को लेकर प्रदर्शन करती महिलाएं व युवतियाँ

राजस्थान में बढ़ रही हैं लव जिहाद की घटनाएं

लव जिहाद पीड़िताओं के भी हैं मानवाधिकार

राजस्थान में लव जिहाद के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। गत चार वर्षों में 153 ऐसी घटनाएं सामने आयी हैं।

मानवाधिकार दिवस 10 दिसम्बर, 2020 को राजधानी जयपुर में अनेक संस्थाओं ने लव जिहाद पीड़िताओं को न्याय दिलाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में निमिकेत्तम संस्था, पीड़ित महिला अधिकार मंच, धर्मरक्षा समिति, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, संवेदना फाउन्डेशन, मानसरोवर युवा मंच, मां चामुंडा सेवा संस्थान सहित कई संगठनों की महिला व युवतियां शामिल हुई। राज्य सरकार से मांग की गई कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। राजस्थान में भी लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने की मांग की गई।

राजस्थान में लव जिहाद की घटनाएं

क्र.	जिला	2017	2018	2019	2020	योग
1	जयपुर	–	1	4	15	20
2	टोंक	–	–	6	7	13
3	सवाईमाधोपुर,करौली	2	1	2	2	7
4	भरतपुर, अलवर	2	6	3	4	15
5	सीकर, चुरू, झुंझुंनू	1	3	5	5	14
6	हनुमानगढ़, गंगानगर	1	2	3	3	9
7	जोधपुर, बाड़मेर	3	4	6	5	18
8	अजमेर	6	5	6	6	23
9	भीलवाड़ा	–	2	2	5	9
10	राजसमंद	–	–	–	8	8
11	उदयपुर, बांसवाड़ा,चित्तौड़	–	1	2	4	7
12	कोटा	2	2	3	3	10
	योग	17	27	42	67	153

संस्कृति प्रश्नोत्तरी

जांचें कि आप कितने ज्ञानवान हैं?

नीचे दिए गए 10 प्रश्नों के उत्तर बताइये। अपना ज्ञान स्तर निम्नानुसार मानें –
सामान्य–यदि 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।
श्रेष्ठ– यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।
उत्तम – यदि सभी उत्तर सही देते हैं।

1. मरणासन्न रावण के पास राजनीति का ज्ञान लेने के लिए कौन गये थे?
2. महाभारत युद्ध में श्री कृष्ण से सहायता माँगने पाण्डवों की ओर से द्वारका कौन गया था?
3. बोरोबुदूर नाम का विश्व का सबसे बड़ा बौद्ध मन्दिर किस देश में है?
4. स्वामी विवेकानंद का प्रसिद्ध शिला–स्मारक कहाँ पर है?
5. वर्तमान वैवस्वत मन्वन्तर का कौन सा कलियुग चल रहा है?
6. औरंगजेब के बन्दीगृह से बड़ी चतुराई से शिवाजी निकल गये थे। औरंगजेब ने उन्हें कहाँ बन्दी बना कर रखा था?
7. अरब और यूरोपीय देशों में जो तलवारें बनती थीं उनमें कहाँ का शुद्ध लोहा काम आता था?
8. स्वातंत्र्य यज्ञ में अपने प्राणों की आहुति देने वाले चाफेकर बन्धुओं ने क्रांतिकारियों को संगठित करने के लिये कौन सी संस्था बनाई?
9. महाभारत काल में सपादलक्ष (नागौर) किस राज्य का अंग था?
10. विश्व हिन्दू परिषद ने भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण को लेकर देशभर के कितने गांवों में 'राम उत्सव' मनाने की योजना बनाई है?

(उत्तर इसी अंक में हैं)

पत्थर पर निशान

बालक बोपदेव को प्रतिदिन ताड़ना मिलती थी। पाठशाला में आचार्य जी कहते –''तू तो बड़ा मन्दबुद्धि है, तुझे तो ब्रह्मा भी नहीं पढ़ा सकते।''

घर में पिता जी कहते – ''इतना बड़ा हो गया है पर एक अक्षर भी नहीं आता। भगवान ने जब बुद्धि बाँटी तो यह न जाने कहाँ घूम रहा था।''

ऐसी ही अनेक बातें गुरु जी के मुँह से, परिवार वालों से, साथियों से वह प्रतिदिन सुनता था। एक दिन सबके सामने वह बहुत पीटा गया। शरीर की पीड़ा से मन की पीड़ा अधिक थी। सोचा – इस जीवन से क्या लाभ? इससे तो मरना अच्छा।

मरने का संकल्प मन में लेकर वह गांव से बाहर चला। सोचा, कुँए में कूद कर प्राण दे दूंगा। वहाँ पहुँचने पर देखा कि गांव कि महिलाएँ पानी भर रही हैं। एकान्त होने पर कूद पड़ूंगा, ऐसा विचार करके वह कुछ दूर महिलाओं के जाने की प्रतिक्षा में जा बैठा। उसकी दृष्टि कुएँ पर ही लगी थी। एकाएक उसका ध्यान कुएँ के पत्थर पर गया। पत्थर का जगत रस्सी की रगड़ से कट गया है तथा पत्थर में लम्बी नाली सी बन गयी है।

मिट्टी के घड़ों को प्रतिदिन रखने से उनके निशान भी पत्थर पर बन गये हैं। यह सब देखकर उसके मन में एक विचार कौंधा; 'क्या मेरा मस्तिष्क इस पत्थर से भी कठोर है? यदि प्रतिदिन मस्तिष्क पर कुछ अंकित नहीं हो सकता?' प्राण देने का विचार समाप्त हो गया। कुछ संकल्प लेकर वह घर लौटा।

सच्ची लगन और निरन्तर अभ्यास से क्या नहीं हो सकता? एक दिन बोपदेव दक्षिण भारत के प्रसिद्ध विद्वान हुए तथा उन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की। ■

बाल प्रश्नोत्तरी

आपकी स्मरण शक्ति का स्तर क्या है? बाल मित्रों! पाथेय कण का 1 दिसम्बर, 2020 का अंक पढ़ने के पश्चात् निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें और देखें कि आपकी स्मरण शक्ति का स्तर कैसा है। **सामान्य** : यदि 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **श्रेष्ठ** : यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **उत्तम** : यदि सभी प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।

1. किसका धर्म परिवर्तन करा कर मोहम्मद अनस नाम कर दिया गया था?
(क) टेक चंद (ख) मेम चंद (ग) रामलाल (घ) गोपाल

2. दुनियां के टॉप- 500 सुपर कम्प्यूटर की सूची में भारत के किस कम्प्यूटर को 78 वां स्थान मिला?
(क) मिहिर (ख) आदित्य (ग) प्रत्युष (घ) शिव

3. तुर्की के एक जिहादी समूह का नाम निम्नांकित में से क्या है?
(क) आईएचएच (IHH) (ख) आईएसआई(ISI) (ग) अलकायदा (घ) पीएफआई (PFI)

4. डॉ. मोहन भागवत ने किस पत्रिका के सेवा-विशेषांक का विमोचन किया?
(क) राजस्थान पत्रिका (ख) पाथेय कण (ग) जाह्नवी (घ) सेवा सुमन

5. श्री निवास रामानुजन् कौन थे?
(क) रसायन शास्त्री (ख) साहित्यकार (ग) गणितज्ञ (घ) इतिहासकार

6. तामिल रुकबो कौन से प्रांत के थे?
(क) मेघालय (ख) मिजोरम (ग) असम (घ) अरूणाचल

7. विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष कौन हैं?
(क) अशोक सिंघल (ख) मोहन जोशी (ग) विनोद बंसल (घ) आलोक कुमार

8. भरतपुर के महाराजा सूरजमल का स्वर्गवास किस तारीख को हुआ था?
(क) 25 दिसम्बर (ख) 1 दिसम्बर (ग) 19 दिसम्बर (घ) 28 दिसम्बर

9. पं. मदन मोहन मालवीय का जन्म दिवस कब आता है?
(क) 26 दिसम्बर (ख) 31 दिसम्बर (ग) 25 दिसम्बर (घ) 30 दिसम्बर

10. पाथेय कण में प्रकाशित हो रही 'चित्रकथा' किस महापुरुष से संबंधित है?
(क) शिवाजी (ख) आचार्य शंकर (ग) मल्लीनाथ (घ) महाराणा प्रताप

(उत्तर इसी अंक में हैं)

पहचानो तो यह महापुरुष कौन है?

बाल मित्रों! यहाँ एक महापुरुष का चित्र तथा उनके जीवन के बारे में कुछ संकेत दिये जा रहे हैं। संकेत के आधार पर चित्र को पहचानो और अपने ज्ञान की परीक्षा करो।

- विजयनगर साम्राज्य के सर्वाधिक प्रतापी सम्राट।
- इनके शासन काल में विजय नगर साम्राज्य सामर्थ्य एवं समृद्धि के चरम पर था।
- ये **आन्ध्रभोज** के नाम से भी विख्यात हैं।

(उत्तर इसी अंक में है)

सरकार्यवाह भैय्या जी ने गुरुद्वारा में मत्था टेका

गुरुनानक जयन्ती पर 30 नवम्बर को क्षिप्रा नदी के समीप स्थित गुरुद्वारा गुरुनानक घाट, उज्जैन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री सुरेश भैय्या जी ने मत्था टेक देश की खुशहाली की कामना की।

सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रा 2021 का पंजीयन प्रारम्भ

प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली 'सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रा, लेह लद्दाख' के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयन्ती वर्ष 2021 में प्रथम सिन्धु महाकुम्भ का आयोजन लेह लद्दाख में किया जा रहा है। यात्रा के मार्गदर्शक श्री इन्द्रेश कुमार ने दिल्ली में इस महाकुम्भ आयोजन का शुभंकर(लोगो) जारी किया। लोगो में सिन्धु नदी किनारे पूजन के साथ कलश, इष्टदेव झूलेलाल व भगवान बुद्ध के चित्र दर्शाये गये हैं। अध्यक्ष मुरलीधर माखीजा ने बताया कि तीर्थयात्रा का ऑनलाइन पंजीयन प्रारम्भ हो गया है। यह यात्रा 19 से 27 जून, 2021 तक दो समूहों में होगी।

'सक्षम' द्वारा डिजिटल दिव्यांग मेला आयोजित

दिव्यांग बन्धुओं के विकास एवं कल्याण को समर्पित संगठन 'सक्षम' द्वारा 3 दिसम्बर, 2020 को 'दिव्यांग डिजिटल मेला' का शुभारम्भ किया गया।

मेले का उद्घाटन लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री प्रकाशचंद एवं सेवा भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री मूलचंद सोनी ने किया। इस अवसर पर पोस्टर का विमोचन भी हुआ।

मेले की जानकारी देते हुए 'सक्षम'के जयपुर जिलाध्यक्ष डॉ. सतीश मंगल ने बताया कि मेले में अभिनय, गायन, पेंटिंग, नृत्य, कहानी कथन, निबंध लेखन, वाद-विवाद, प्रतियोगिता, लघु फिल्म मेकिंग, भोजन निर्माण व फैंसी ड्रेस जैसी प्रतियोगिताएं होने वाली हैं। प्रांत सह सचिव डॉ. भीखाराम का कहना था कि लव जिहाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद एवं कोरोना जैसे विषयों पर जागरुकता कार्यक्रम भी मेले में होंगे।

विश्व विकलांगता दिवस पर 'दिव्यांग डिजिटल मेला' का उद्घाटन करते हुए पदाधिकारी

रोजगार उत्पन्न करने के लिए प्रशिक्षण

कोरोना लॉकडाउन के पश्चात् प्रवासी व स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सके इस उद्देश्य से एक प्रशिक्षण केन्द्र पाली में गत 4 माह से चलाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन लघु उद्योग भारती कुछ अन्य संगठनों की सहायता से कर रही है।

प्रशिक्षण केन्द्र में सिलाई एवं कम्प्यूटर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री प्रकाश चंद गुप्ता ने प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूरे देश में लघु उद्यमी आत्मनिर्भर भारत के लिए स्थानीय स्तर पर अधिकतम उत्पाद किस प्रकार से तैयार कर सकें, इसका बहुत सफल प्रयोग अनेक राज्यों द्वारा किया जा रहा है।

मास्क प्राप्त करें या दान करें

मास्क की दीवार

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में 'मास्क की दीवार' बनायी गयी है। यह अभिनव प्रयोग अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। यहाँ ढेरों मास्क रख दिये गये हैं। जो भी चाहे वह यहाँ से निःशुल्क मास्क ले सकता है। कोई मास्क दान करना चाहता है तो वह इस दीवार पर बनी जगह पर अपने मास्क रख सकता है।

परिषद के प्रांत संगठन मंत्री अर्जुन तिवारी ने बताया कि 'नो मास्क–नो एंट्री' अभियान के अन्तर्गत अब तक दो लाख मास्क परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा बांटे जा चुके हैं। हर दिन कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। 'जब तक दवा नहीं तब तक मास्क ही दवा' को मानते हुए परिषद की ओर से विश्वविद्यालय में यह 'मास्क की दीवार' बनायी गई है।

अनुसूचित जनजाति से धर्मांतरितों को हटाया जाये- जनजाति सुरक्षा मंच

संविधान में हिन्दू समाज की अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों को आरक्षण व अन्य लाभ दिये गये हैं। ईसाई मिशनरी लगातार प्रयास कर इन जातियों के बन्धुओं को मतांतरित कराकर हिन्दू समाज को तोड़ने में लगे हैं। ऐसे धर्मांतरित होकर ईसाई बन गए लोग भी आरक्षण व अन्य लाभ लेते रहे हैं।

नवम्बर 2020 में राजस्थान के उदयपुर, सिरोही, राजसमन्द व धरियावाद में 'जनजाति सुरक्षा मंच' ने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर या एसडीएम को ज्ञापन देकर मांग की है कि जनजाति से धर्मान्तरित हुए लोगों को अनुसूचित जनजाति की श्रेणी से बाहर करते हुए उनको आरक्षण व अन्य लाभों से तत्काल वंचित किया जाये।

अनुसूचित जाति के संबंध में तो 1950 में एक संशोधन द्वारा प्रावधान कर दिया गया था कि कोई भी व्यक्ति सिख या हिन्दू धर्म को छोड़कर अन्य कोई धर्म ग्रहण करता है तो वह अनुसूचित जाति का नहीं समझा जायेगा। परन्तु अनुसूचित जनजाति के संबंध में अभी तक भी ऐसा कोई आदेश नहीं निकला है। 1967 के अनुसूचित जाति–जनजाति आदेश (संशोधन) विधेयक द्वारा जेपीसी की अनुशंसा सहित संशोधन प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव यह था कि जिसने जनजातीय आदिमत तथा विश्वासों का परित्याग कर दिया हो और ईसाई या इस्लाम मज़हब ग्रहण कर लिया हो वह अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जायेगा। लेकिन अभी तक भी कानून में ऐसा प्रावधान नहीं किया गया है।

जिला कलक्टर उदयपुर को ज्ञापन देते हुए 'जनजाति सुरक्षा मंच' के कार्यकर्ता

जनजाति गौरव दिवस

वीर बिरसा मुण्डा को याद किया

राजस्थान के पिण्डवाड़ा, आबूरोड़ सहित कई स्थानों पर जनजाति गौरव दिवस पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि जननायक एवं वीर योद्धा बिरसा मुण्डा की जयन्ती 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मनायी जाती है।

इस अवसर पर राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद द्वारा आदर्श विद्या मंदिर, पिण्डवाड़ा, गोविन्द गुरु आश्रम, डूंगरपुर एवं आ.वि.म., देवला में सभाएं आयोजित की गई।

कुशलगढ़ के कसारवाड़ी में कलश यात्रा का आयोजन हुआ। सरलिया खेड़ा में विशाल भजन संध्या सम्पन्न हुई। आबूरोड़ के मानपुर क्षेत्र स्थित दादूदयाल विद्याश्रम में निःशुल्क कक्षाओं का शुभारम्भ भी जनजाति गौरव दिवस पर किया गया।

इन सभी कार्यक्रमों में राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के कार्यकर्ताओं सहित स्थानीय विधायक, अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा वनवासी समाज के बन्धु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गुस्साये ग्रामीणों का सामना करती हुई पुलिस

लड़कियों के आपत्तिजनक फोटो वायरल करने का मामला

अपराधियों के विरुद्ध संगठित होता समाज

लोगों को समझ में आने लगा है कि मातृशक्ति की मर्यादा के विरूद्ध किये जाने वाले अपराधों तक में पुलिस और प्रशासन तभी कार्रवाई करते हैं जब समाज की सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन किया जाता है।

मामला डिग्गी कस्बे में हिन्दू नाबालिग लड़कियों की आपत्तिजनक फोटो एक समुदाय विशेष के युवकों द्वारा 'इंस्टाग्राम' पर वायरल कर धन मांगे जाने का था। मामला उजागर होने पर युवा संगठनों के आह्वान पर सम्पूर्ण बाजार बंद हो गए। लोगों ने आरोपित दो युवकों को दबोच कर बंदी बना लिया। तब जाकर पुलिस व प्रशसन की नींद टूटी। पीपलू पुलिस अधीक्षक मालपुरा एसडीएम तथा टोंक सीईओ मय दल बल डिग्गी पहुँचे।

पुलिस व प्रशासन के अधिकारी लोगों द्वारा पकड़े गये उन दोनों युवकों को अपनी हिरासत में लेकर मामले पर आगे कार्रवाई नहीं करना चाहते थे। इस पर गुस्साए ग्रामीण बीच बाजार धरने पर बैठ गए तथा युवकों के आधा दर्जन अन्य सहयोगियों की भी तत्काल गिरफ्तार करने की मांग पर अड़ गये।

पुलिस को हिन्दू संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के सामने ही लोगों द्वारा पकड़े गये दोनों युवकों के बयान कलमबद्ध करने पड़े तथा आधा दर्जन युवकों के खिलाफ नामजद मामला डिग्गी थाने में दर्ज किया गया।

टोंक सीईओ चन्द्र सिंह रावत ने बताया कि पकड़े गये दो युवकों असलम पुत्र इकबाल व फारूख पुत्र मोईनुद्दीन सहित अन्य युवकों पर पोक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

नचिकेता गुरुकुल– एक अभिनव प्रयोग

प्रतिभा विकास हेतु प्रशिक्षण शिविर

राजस्थान के प्रतिभावान परन्तु गरीब परिवारों के छात्रों का चयन कर उनके 10 वीं बोर्ड के पश्चात् अध्ययन व अन्य खर्चों की व्यवस्था समाज के सहयोग से करते हुए उन्हें देश, समाज व स्वधर्म के संस्कारों से युक्त गुरुकुल वातावरण में रखकर विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययन कराने का एक अभिनव प्रयोग गत वर्ष से नचिकेता गुरुकुल द्वारा किया जा रहा है।

इस वर्ष के लिए चयनित 25 विद्यार्थियों के प्रतिभा विकास हेतु एक 11 दिवसीय शिविर जयपुर में 19 नवम्बर से लगाया गया। इस शिविर में नागरिकता, राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व, सांस्कृतिक आक्रमण, भारत का ज्ञान–विज्ञान, शिक्षा नीति, धर्म, पंथ, सम्प्रदाय, गौरवशाली इतिहास, पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर चर्चा व बौद्धिक के साथ ही शारीरिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

गुरुकुल के देवेन्द्र धाकड़ ने बताया कि उद्घाटन कार्यक्रम में भारतीय किसान संघ के बीज प्रमुख श्री कृष्ण मुरारी, डॉ. कैलाश परवाल एवं कर्नल डी.पी. सिंह तथा समापन कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री गुणवंत सिंह, सेवा भारती के श्री मूलचंद व अन्य वक्ताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

नचिकेता गुरुकुल के प्रतिभा विकास शिविर में भाग लेते छात्र

रामभक्तों के सहयोग से होगा राममंदिर का निर्माण

विश्व हिन्दू परिषद जयपुर प्रांत की बैठक में कहा गया है कि अयोध्या में राममंदिर का निर्माण रामभक्तों के सहयोग से ही होगा।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस हेतु राम भक्तों से सहयोग की अपील की है। विश्व हिन्दू परिषद देशव्यापी अभियान शुरू कर प्रत्येक परिवार को राममंदिर निर्माण से जोड़ने की मुहिम शुरू करेगी।

बैठक में राजस्थान व गुजरात क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री गोपाल ने बताया कि देश की पिछली सरकारों ने धर्म निरपेक्षता के नाम पर हलाल सर्टिफिकेट को मान्यता दी तथा इसके कारोबार को बढ़ावा दिया। आतंकी संगठनों द्वारा चलाए जा रहे हलाल इकोनॉमी के संबंध में देशवासियों को सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि हलाल लेबल लगी वस्तुओं का बहिष्कार करें।

बैठक से पूर्व दीप प्रज्ज्वलित करते पदाधिकारी

अम्बेडकर पुण्यतिथि पर सामाजिक समरसता दिवस

अंबेडकर जी की मूर्ति का माल्यार्पण एवं गायों को चारा खिलाते अ.भा.वि.प. के कार्यकर्ता

डॉ. भीमराव अंबेडकर पुण्यतिथि (06 दिसम्बर, 2020) पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा 'सामाजिक समरसता दिवस' के आयोजन राजस्थ-ान में अनेक स्थानों पर किये गये। इन आयोजनों में संगोष्ठी, साहित्य वितरण, मास्क वितरण, अस्पतालों में फल वितरण, रक्तदान शिविर आदि कार्यक्रम हुये।

'आत्मनिर्भर भारत' के लिये कार्य करें- कोठारी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल भाई कोठारी ने सभी शैक्षणिक संस्थाओं से आत्मनिर्भर भारत तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिये कार्य करने का अनुरोध किया है। श्री कोठारी ने गत 28 नवम्बर को न्यास द्वारा आयोजित जयपुर प्रांत स्नेह मिलन संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के नाते सम्बोधित किया।

संगोष्ठी में वैदिक गणित विषय पर हो रहे कार्य की जानकारी दी गई। इस विषय पर एक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला करने का प्रस्ताव भी रखा गया। खण्डेलवाल गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वैशाली नगर, जयपुर की ओर से 'चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास' विषय पर सर्टिफिकेट तथा क्रेडिट कोर्स प्रारंभ करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। संगोष्ठी में पूर्व कुलपति बी.आर. छीपा, न्यास के क्षेत्र सरंक्षक डॉ. दुर्गा प्रसाद अग्रवाल तथा प्रांत सचिव नितिन कासलीवाल सहित अनेक लोगों की सहभागिता रही।

वर्चुअल माध्यम से संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए श्री अतुल भाई कोठारी, राष्ट्रीय सचिव , शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

उत्तर : बाल प्रश्नोत्तरी-1.(ख)2.(ग)3.(क)4.(ख)5.(ग)6.(घ)7.(घ)8.(क)9.(ग)10.(ख) उत्तर महापुरुष पहचानो- श्रीकृष्ण देव राय

उत्तर-संस्कृति प्रश्नोत्तरी :1.लक्ष्मण 2.अर्जुन 3.इंडोनेशिया 4. कन्याकुमारी 5. 28 वां 6. आगरा 7. भारत 8. मित्र मेला 9. पांचाल 10. चार लाख

भूल सुधार - 1 दिसम्बर, 2020 के अंक में अपरिहार्य कारणों से कई स्थानों पर सन् संबंधी अंकीय त्रुटि हो गयी है, जिसका हमें अत्यंत खेद है। पृ.10 पर 1928 की जगह 1918, पृ. 12 पर 1968 की जगह 1938, (1961-1943) की जगह (1861-1946),(1913-1915) की जगह (1913-1995) पृ.18 पर 1671 की जगह 1971, 1628 की जगह 1928 तथा 1824 की जगह 1924 पढ़ें।

विद्या भारती द्वारा

सेवाकार्य करने वाली बहिनों का सम्मान

गत 2 दिसम्बर को विद्या भारती जन शिक्षा न्यास द्वारा ऐसी बहिनों का सम्मान किया गया जो वंचित एवं अभावग्रस्त लोगों की सेवा निःस्वार्थ भाव से कर रही हैं। ये बहिनें कोरोना के प्रति जागरण करने के साथ ही स्वावलम्बन हेतु प्रशिक्षण देने जैसे प्रकल्प का संचालन भी करती हैं।

इस अवसर पर विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री शिवप्रसाद सहित संगठन के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम में श्री कृष्ण कुमार भाटिया के सौजन्य से 500वें कम्बल वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत अभावग्रस्त परिवारों को कम्बल भी वितरित किए गए।

अभावग्रस्त परिवारों को कम्बल वितरण

घुमन्तु परिवारों को मास्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक अब भी कोरोना से बचाव के लिए आमजन को जागरुक करने में लगे हुए हैं। स्वयंसेवकों ने जयपुर के मालवीय नगर–जगतपुरा क्षेत्र में घुमन्तु परिवारों को 400 मास्क वितरित किये। इस संबंध में स्वयंसेवकों ने मास्क के प्रयोग हेतु जनजागरण भी किया।

घुमन्तु परिवारों को मास्क वितरित करते स्वयंसेवक

कीर्तिमान

'विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद' बना

विश्व का सबसे बड़ा पूर्व–छात्र संगठन

विश्व के सबसे बड़े गैर सरकारी शैक्षिक संगठन 'विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान' ने एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। इस संस्थान से जुड़े 'पूर्व–छात्र परिषद' के सदस्यों की पंजीकृत संख्या 3 लाख 56 हजार से ज्यादा हो गयी है। अब यह विश्व का सबसे बड़ा 'पूर्व–छात्र संगठन' बन गया है। इससे पहले 3 लाख 54 हजार पंजीकृत पूर्व–छात्रों के आधार पर पैन यूनिवर्सिटी पहले स्थान पर थी।

विशाल शैक्षिक संगठन

सरकारी सहयोग लिए बिना देशभर में विद्या भारती द्वारा 12 हजार 830 विद्यालयों के माध्यम से भारतीय संस्कृति के अनुरुप संस्कारयुक्त शिक्षा देने का कार्य हो रहा है जहां एक लाख पचास हजार से ज्यादा शिक्षक बन्धु–बहिनें कार्यरत हैं। इन विद्यालयों में 34 लाख 47 हजार से ज्यादा विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

सौर लालटेन वितरण समारोह

विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्रीय मंत्री श्री शिवप्रसाद का प्रवास दीपावली के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस बार अमीनपुरा (जिला टोंक) में हुआ। दीपोत्सव स्नेह मिलन के साथ ही सौर ऊर्जा चलित लालटेनों का वितरण भी किया गया।

श्री शिवप्रसाद ने बताया कि विद्या भारती का लक्ष्य अत्यंत पिछड़े, गरीब, अभावग्रस्त लोगों सहित सम्पूर्ण समाज को शिक्षित एवं संस्कारित करना है।

सौर ऊर्जा चलित लालटेनों का वितरण

आगामी पक्ष के विशेष अवसर

1–15 जनवरी, 2021
(पौष कृष्ण 2 से पौष शुक्ल 2 वि.2077 तक)

महत्वपूर्ण घटनायें/अवसर

7 जनवरी (1026)– सोमनाथ मंदिर का ध्वंस
13 जनवरी – लोहड़ी
14 जनवरी – मकर संक्रांन्ति,उत्तरायण, माघ बिहू (असम), पोंगल
15 जनवरी– थल सेना दिवस

जन्म दिवस

3 जनवरी (1831)– सावित्री बाई फुले
3 जनवरी (1760)– तमिलनाडु के पाण्ड्य नरेश कट्टबोम्मन
पौष कृ.8(इस बार 6 जनवरी)– श्री मां शारदा (रामकृष्ण परहंस की अर्द्धांगिनी)
पौष कृष्ण 11(इस बार 9 जनवरी)– पार्श्वनाथ (23वें तीर्थंकर)
पौष कृष्ण 11(इस बार 9 जनवरी)– श्री चन्दप्रभु (8वें तीर्थंकर)
पौष कृष्ण 12 (इस बार 10 जनवरी)– श्री शीतलनाथ (10वें तीर्थंकर)
12 जनवरी (1863)– स्वामी विवेकानन्द

बलिदान दिवस/पुण्यतिथि

11 जनवरी (1966)– लाल बहादुर शास्त्री पुण्यतिथि

तथ्य

1. चीन भारत से खरीद रहा है चावल

भारत चीन सीमा पर तनातनी के बीच चीन भारत से बड़ी मात्रा में चावल खरीदना चाहता है। भारत ने पिछले दिनों चीन को एक लाख 19 हजार टन चावल निर्यात किया।

2. चीन से आयात में गिरावट

2020 में नवम्बर तक चीन से किए जाने वाले आयात में 13 प्रतिशत की कमी आई है।

वक्तव्य

'' जब भी मुझे दुनियाँ में नकारात्मकता का अनुभव होता है, जब भी मुझे ईर्ष्या, क्रोध और हताशा का सामना करना पड़ता है, मैं हनुमान चालीसा सुनती और पढ़ती हूँ।''

– टीना डाबी,
(2015 की आईएएस टॉपर जिसने अतहर आमिर खान से शादी की थी, तलाक के लिए प्रस्तुत याचिका के दो सप्ताह पश्चात् इंस्टाग्राम पर पहली पोस्ट, दिस.2020)

पंचांग–मार्गशीर्ष (शुक्ल पक्ष)

युगाब्द – 5122, विक्रमी – 2077, शाके – 1942
(15 से 30 दिसम्बर, 2020)

धनु मल मास प्रारंभ– 16 दिसम्बर, **विनायक चतुर्थी–** 18 दिसम्बर, **स्कन्ध षष्ठी व्रत–** 20 दिसम्बर, **पंचक–** 19 दिसम्बर (प्रातः 7:16 बजे) से 23 दिसम्बर (प्रातः 4:33 बजे) तक, **महानन्दा नवमी–** 23 दिसम्बर, **मोक्षदा एकादशी व्रत–** 25 दिसम्बर, **प्रदोष व्रत–** 27 दिसम्बर, **रोहिणी व्रत (जैन)–**28 दिसम्बर, **चांद्र पूर्णिमा व्रत–** 29 दिसम्बर, **सत्यनारायण व्रत–** 30 दिसम्बर

ग्रहस्थिति

चन्द्रमा : 15–16 दिसम्बर **धनु** राशि में, 17 से 19 दिसम्बर **मकर** राशि में, 20–21 दिसम्बर **कुंभ** में, 22–23 दिसम्बर **मीन** में, 24–26 दिसम्बर **मेष** राशि में, 27–28 दिसम्बर उच्च की राशि वृष में तथा 29–30 दिसम्बर **मिथुन** राशि में गोचर करेंगे।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष में **शनि** व **गुरू** यथावत् मकर राशि में स्थित रहेंगे। इसी प्रकार **राहु** और **केतु** भी वृष व वृश्चिक राशि में स्थित रहेंगे। **शुक्र** वृश्चिक राशि में तथा **सूर्य** 15 दिसम्बर को 9:32 बजे व **बुध देव** 17 दिसम्बर को 11:37 बजे वृश्चिक से धनु राशि में प्रवेश करेंगे।

पाञ्चजन्य
हिन्दी साप्ताहिक
ORGANISER
English Weekly
पाञ्चजन्य एवं ORGANISER
पत्रिकाओं के बनें
विज्ञापन प्रतिनिधि
पाएं आकर्षक कमीशन
योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवार अपने
पूर्ण विवरण/CV के साथ आवेदन करें :
ई-मेल : gm@bpdl.in

राष्ट्रोन्नायक आचार्य शंकर

41

आलेख व चित्र
ब्रजराज राजावत

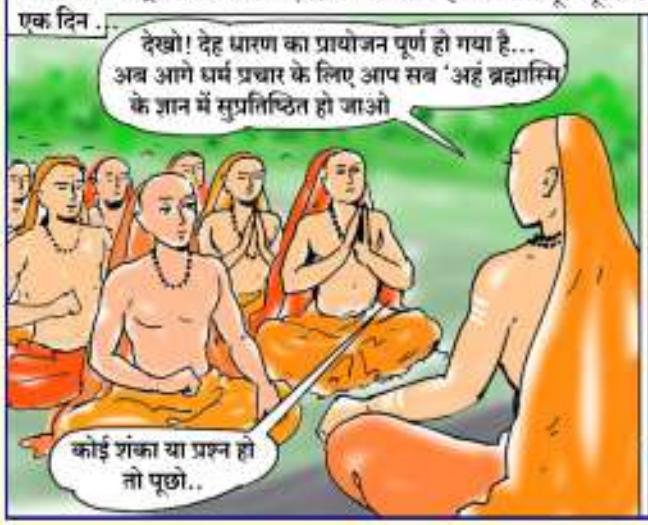

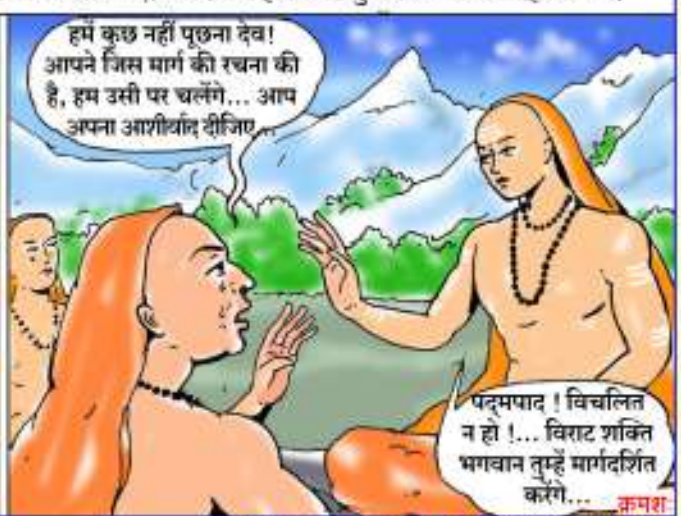

पाक्षिक
पाथेय कण
16 दिसम्बर, 2020

आर.एन.आई.पंजीयन क्र. 48760/87 अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY /202/2018-20 JAIPUR CITY/ WPP - 01/2018-20

पाथेय कण सेवा विशेषांक के विभिन्न स्थानों पर हुए विमोचन संबंधी प्राप्त समाचार -

पाली

केशव भवन में क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य श्री नंदलाल जोशी, प्रांत धर्म जागरण प्रमुख श्री देवेन्द्र , विभाग प्रचारक श्री विपुल, श्री वीरेन्द्रपाल, श्री मुकेश पोकरणा, श्री लक्ष्मण गोगड़ एवं श्री पंकज जोशी द्वारा

डेगाना

शारदा बाल निकेतन, डेगाना में जिला प्रचार प्रमुख श्री रामपाल , नगर विस्तारक श्री आसुराम, विश्व हिन्दू परिषद के जिला उपाध्यक्ष श्री छोटेलाल , डेगाना प्रखंड के महामंत्री श्री ओमप्रकाश तथा वरिष्ठ आचार्य श्री जगदीश नाथ द्वारा

भरतपुर

समिधा भवन में दाएं से श्री कैलाशचंद्र (क्षेत्र प्रौढ़ कार्य प्रमुख) श्री गोविंद गुप्ता (जिला संघचालक), श्री राकेश खंडेलवाल (नगर संघचालक),श्री विनोद (जिला सेवा प्रमुख) तथा श्री बाबूलाल (सह प्रान्त प्रचारक, जयपुर) द्वारा

बांसवाड़ा

रातीतलाई स्थित भारत माता मंदिर में श्री रामस्वरूप महाराज, संत श्री रामप्रसाद महाराज व नगर संघचालक श्री कमलाकांत सेठ द्वारा

नागौर

जोधपुर प्रांत प्रचार प्रमुख श्री पंकज, विभाग प्रचारक श्री विजेन्द्र, जिला प्रचार प्रमुख श्री कैलाश, जिला पाथेय कण प्रमुख श्री रमेश, विभाग सेवा प्रमुख श्री शिवदेव, जिला महाविद्यालय विद्यार्थी प्रमुख श्री मनीष और सह जिला कार्यवाह श्री रामचंद्र द्वारा

प्रतिष्ठा में,

स्वत्वाधिकारी पाथेय कण संस्थान के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक माणक चन्द
द्वारा कुमार एण्ड कम्पनी,ए-10,22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित
प्रकाशकीय कार्यालयः पाथेय भवन, 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर-302017
सम्पादक - रामस्वरूप अग्रवाल
प्रेषण दिनांक 16,17,18,19व20 दिसम्बर 2020 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर